



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 270]

No. 270]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 9, 1989/वैशाख 19, 1911

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 9, 1989/VAISAKHA 19, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मई, 1989

दान-कर

का.आ. 349(अ):—केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड दान कर अधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 46 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दान-कर नियम, 1958 का और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दान कर (पहला संशोधन) नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. (i) दान-कर नियम, 1958 में, :—

(क) “अयुक्त” पद के स्थान पर, जहाँ-जहाँ वह आता है, “मुख्य आयुक्त या आयुक्त” पद रखा जाएगा;

(ख) “सहायक आयुक्त (निरीक्षण)” पद के स्थान पर, जहाँ-जहाँ वह आता है, “उपायुक्त” पद रखा जाएगा;

(ग) “सहायक आयुक्त (अपील)” पद के स्थान पर जहाँ-जहाँ वह आता है, “उपायुक्त (अपील)” पद रखा जाएगा;

(घ) “दान-कर अधिकारी” पद के स्थान पर, जहाँ-जहाँ वह आता है, “निर्धारण अधिकारी” पद रखा जाएगा,

और वह 1 अप्रैल, 1989 को रखा गया समझा जाएगा;

(ii) नियम 5 के उपनियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा और 1 अप्रैल, 1989 को इस प्रकार रखा गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) प्रत्येक में की गई किसी अपील में अपील के ज्ञापन, अपील के आधारों और उससे उपाबद्ध सत्यापन पर उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और उसे सत्यापित किया जाएगा, जो दान-कर अधिनियम, की धारा 14क में, उपबन्धित रूप में दान की विवरणी पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत है।”;

(iii) नियम 10 का लोप किया जाएगा और वह 1 अप्रैल, 1989 को इस प्रकार लोप किया गया समझा जाएगा।

[सं. 8359/फ. सं. 134/11/89-टी. पी.एल.]

के. के. मित्तल, निदेशक (टी.पी.एल.)

टिप्पण :— दान-कर नियम, 1958 को अधिसूचित करने वाली मूल अधिसूचना सा.का.2 नि. सं. 430 तारीख 27-5-1958 द्वारा जारी की गई थी और 1 अप्रैल, 1958 को प्रवृत्त हुई।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

## NOTIFICATION

New Delhi, the 9th May, 1989

## GIFT-TAX

S.O. 349(E).—In exercise of the powers conferred by section 46 of the Gift-tax Act, 1958 (18 of 1958), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Gift-tax Rules, 1958, namely :—

1. (1) These rules may be called the Gift-tax (1st Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. (i) In the Gift-tax Rules, 1958,—
  - (a) for the expression “Commissioner” wherever it occurs, the expression “Chief Commissioner or Commissioner”;
  - (b) for the expression “Inspecting Assistant Commissioner”, whatever it occurs, the expression “Deputy Commissioner”;
  - (c) for the expression “Appellate Assistant Commissioner”, wherever it occurs, the expression “Deputy Commissioner (Appeals)”;
  - (d) for the expression “Gift-tax Officer”, wherever it occurs, the expression “Assessing Officer”,

shall be substituted and shall be deemed to have been so substituted on the first day of April, 1989.

(ii) for sub-rule (2) of rule 5, the following sub-rule shall be substituted and shall be deemed to have been so substituted on the first day of April, 1989, namely :—

- “(2) In any appeal preferred in Form D, the memorandum of appeal, the grounds of appeal and the verification appended thereto shall be signed and verified by the person who is authorised to sign the return of gift as provided in section 14A of the Gift-tax Act.”;

(iii) rule 10 shall be omitted and shall be deemed to have been so omitted on the first day of April, 1989.

[No. 3359/F. No. 134/11/89-TPL]

K. K. MITTAL, Director (TPL)

NOTE :—The original notification, notifying Gift-tax Rules, 1958, were issued by G.S.R. No. 430, dated 27-5-1958 and came into force from the 1st day of April, 1958.